ORDINANCES, TEST OUTLINES, SYLLABI and READING COURSES

For

M.A. Part I
(Semester I & II)

Academic Sessions
2025–26 and 2026–27

Under
Choice-Based Credit System (CBCS)

PROGRAMME CODE: M.A. Part I

Department of Hindi
GURU NANAK COLLEGE BUDHLADA
AN AUTONOMOUS COLLEGE
Email id: gncbudhlada@yahoo.co.in
Website: www.gncbudhlada.org

SYLLABI, OUTLINES OF PAPERS AND TESTS FOR

स्नातकोत्तर - प्रथम

M.A. (Hindi) Part – I

Semester I & II

For Session 2025-2026, 2026-2027

नोट

सभी विद्यार्थियों के लिए पेपरों का अंक विभाजन 70+30=100 रहेगा। इसमें 70 अंक का लिखित पेपर होगा तथा 30 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा। प्रथम सैमेस्टर व द्वितीय सैमेस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा, जिसमें सभी पेपर अनिवार्य होंगे। चौथे पेपर में चार विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेगा।

स्नातकोत्तर – प्रथम (सैमेस्टर प्रथम)
M.A. I (Semester I)
Session 2025-26, 2026-2027
Program Code: M.A. Part I

Paper Code	Name of the Paper	Internal	External	Total	Credits
HINMA.1T-101	हिन्दी काव्य -1	30	70	100	4
HINMA.1T-102	हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास	30	70	100	4
HINMA.1T-103	हिन्दी साहित्य का इतिहास (1850 तक)	30	70	100	4
	वैकल्पिक अध्ययन	30	70	100	4
HINMA.1T-104	हजारी प्रसाद द्विवेदी : विशेष अध्ययन	30	70	100	4
HINMA.1T-105	पंजाब का हिन्दी साहित्य -1	30	70	100	4
HINMA.1T-106	हिन्दी पत्रकारिता	30	70	100	4

स्नातकोत्तर – प्रथम (सैमेस्टर द्वितीय) M.A. I (Semester II) Session 2025-26, 2026-2027 Program Code: M.A. Part I					
Paper Code	**Name of the Paper**	**Internal**	**External**	**Total**	**Credits**
HINMA.2T-201	हिन्दी काव्य – 2	30	70	100	4
HINMA.2T-202	भाषा विज्ञान	30	70	100	4
HINMA.2T-203	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	30	70	100	4
	वैकल्पिक अध्ययन	30	70	100	4
HINMA.2T-204	हिन्दी कथा सहित्य	30	70	100	4
HINMA.2T-205	पंजाब का हिन्दी साहित्य - 2	30	70	100	4
HINMA.2T-206	अनुवाद कला का सैद्धांतिक पक्ष	30	70	100	4

CONTINUOUS ASSESSMENT (THEORY PAPERS)

1	Two tests will be conducted during the semester. Both the tests will be considered for assessment.	60% of the marks allotted for Quantum assessment
2	Assignment/Quizzes	20% of the marks allotted for Quantum assessment
3	Attendance	10% of the marks allotted for Quantum assessment
4	Class participation and behavior	10% of the marks allotted for Quantum assessment

Saroj Rani

पेपर एक

हिन्दी काव्य – 1

(Paper Code - HINMA.1T-101)

समय : 3 घण्टे

पास प्रतिशत : 35%

पूर्णांक : 100

लिखित परीक्षा : 70

अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों की भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को आदिकाल व भक्तिकाल के कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. हिन्दी भाषा के विभिन्न रूपों तथा शब्द भण्डार से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी आदिकाल व भक्तिकाल की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी आदिकाल व भक्तिकाल के कवियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

1.विद्यापति वैभव (संपादक – डॉ. रामसजन पांडेय) भवदीय प्रकाशन, फैजावाद – पद संख्या 1 – 25

2.कबीरदास – (संपादक – हजारी प्रसाद द्विवेदी) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
पद संख्या - 1,2,3,5,8,11,12,13,16,20,22,24,26,27,30,33,35,40,46,47,57,63,64,65, 94,(कुल 25 पद),

3.जायसी ग्रन्थावली – (संपादक – रामचन्द्र शुक्ल) नागमती वियोग खंड

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।
2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न में दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। अंक-12X2=24

Saroj Rani

3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो (2) अंकों का होगा।

अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची-

1. विद्यापति - डॉ. शिवप्रसाद सिंह
2. कबीर साहित्य की परख - परशुराम चतुर्वेदी
3. कबीर एक अनुशीलन - राम कुमार वर्मा
4. जायसी - विजयदेव नारायण साही
5. जायसी एक नई दृष्टि - डॉ. रघुवंश

कौशल

Saroj Rani

पेपर दो

हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास

(Paper Code - HINMA.1T-102)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 35% | लिखित परीक्षा : 70

अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों की भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. व्याकरण के माध्यम से विद्यार्थियों की भाषा को समृद्ध करना।
3. हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और हिंदी की संवैधानिक स्थिति से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थियों के हिंदी भाषा से संबंधित ज्ञान में वृद्धि होगी।
2. विद्यार्थी हिंदी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास से परिचित होगें।
3. विद्यार्थी भाषा व लिपि के विभिन्न चरणों से परिचित होंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड - क

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं- वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं- पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं।
2. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।
3. हिंदी का भौगोलिक विस्तार : हिंदी की उपभाषाएं- पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।

खण्ड - ख

1. हिंदी का भाषिक स्वरूप हिंदी शब्द संरचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूपरचना, लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में। हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिंदी वाक्य-रचना, पदक्रम और अन्विति।
2. हिंदी की संवैधानिक स्थिति, मानकीकरण।

Saroj Rani

3. देवनागरी लिपि: उत्पत्ति, विकास, विशेषताएं और मानकीकरण।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।

2. खण्ड-क में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24

3. खण्ड-ख में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि एक प्रश्न के कम से कम दो उपभाग (क, ख) अवश्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24

4. भाग-तीन में पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा।
अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी भाषा का इतिहास भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास डॉ. धीरेन्द्र वर्मा।
3. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास- उदय नारायण तिवारी।
4. भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी भाषा- सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी भाषा कैलाश चन्द्र भाटिया, साहित्य भवन, प्रा. लि. इलाहाबाद।
6. हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप डॉ. राजमणि शर्मा
7. हिन्दी भाषा : अतीत और वर्तमान, डॉ. उषा लाल, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, कुरुक्षेत्र

कौशल
Saroj Rani

पेपर तीन

हिन्दी सहित्य का इतिहास (1850 तक)

(Paper Code - HINMA.1T-103)

समय : 3 घण्टे

पास प्रतिशत : 35%

पूर्णांक : 100

लिखित परीक्षा : 70

अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के विभिन्न चरणों से परिचित करवाना ।
2. हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के कवियों व उनके साहित्य से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
3. हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. हिन्दी साहित्य के प्रति विद्यार्थियों की रुचि बढ़ेगी।
2. साहित्य की विभिन्न विद्याओं की जानकारी प्राप्त होगी।
3. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के विभिन्न कवियों, उपन्यासकारों कहानीकारों से परिचित होंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड - क

1. हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा और पद्धतियां, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं, हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण।
2. आदिकाल का नामकरण, परिस्थितियां और विशेषताएं एवं साहित्यिक प्रवृतियां, रासो - साहित्य, आदिकालीन हिन्दी जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, गद्य साहित्य।

खण्ड – ख

1. भक्ति - आंदोलन के उदय के कारण, भक्ति काव्य के प्रमुख सम्प्रदाय और उनका वैचारिक आधार। संतकाव्य, सूफी काव्य, कृष्ण काव्य, राम काव्य की विशेपाएं व प्रवर्तक कवि ।
2. रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियां (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त), रीतिकवियों का आचार्यत्व, रीतिकाल के प्रमुख कवि केशव, भूषण, बिहारी, घनानन्द, गुरु गोविंद सिंह के काव्यगत विशेषताएं।

Saroj Rani

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।

2. भाग-एक में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। 12X2=24

3. भाग-दो में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि एक प्रश्न के कम से कम दो उपभाग (क, ख) अवश्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। 12X2=24

4. भाग-तीन में पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। 11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. साहित्य का इतिहास दर्शन, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्र परिषद् पटना ।
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. रामकुमार वर्मा, रामनारायण बेणी माधव, इलाहाबाद ।
5. हिन्दी साहित्य का अतीन, भाग-1,2,3 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास- (भाग 1 से 16), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हुकुमचंद राजपालः विकास पब्लिशिंग हाउस दिल्ली ।
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहासः बच्चन सिंहः राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

Bsingh

Saroj Rani

पेपर चार (विकल्प एक)

हजारी प्रसाद द्विवेदी : विशेष अध्ययन

(Paper Code - HINMA.1T-104)

समय : 3 घण्टे

पास प्रतिशत : 35%

पूर्णांक : 100

लिखित परीक्षा : 70

अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों की साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को हजारीप्रसाद द्विवेदी के जीवन और साहित्य से अवगत करवाना।
3. विद्यार्थियों को हजारीप्रसाद द्विवेदी की विभिन्न विधाओं से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी के साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय संस्कृति से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास होगा।
3. विद्यार्थी में भारतीय संस्कृति के प्रति रुचि बढ़ेगी।

निर्धारित पाठ्य-पुस्तकें

1. बाणभट्ट की आत्मकथा (उपन्यास), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिक्ख गुरुओं का पुण्य स्मरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. अशोक के फूल (मात्र आठ निबंध- अशोक के फूल, बसंत आ गया है, मेरी जन्मभूमि, सावधानी की आवश्यकता, भारतीय संस्कृति की देन, पुरानी पोथियां, आलोचना का स्वतन्त्र मान, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।
2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न में दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। 12X2=24

Saroj Rani

3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। 12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो (2) अंकों का होगा। 11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची-

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी- सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
2. शान्ति निकेतन से शिवालिक सं. शिवप्रसाद सिंह।
3. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य-चौथी राम यादव।
4. साहित्यकार और चिन्तक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी-राममूर्ति त्रिपाठी ।
5. निबंधकार : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी-डॉ. रवि कुमार 'अनु' ।

पेपर चार (विकल्प दो)
पंजाब का हिन्दी साहित्य -1
(Paper Code - HINMA.1T-105)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 35% | लिखित परीक्षा : 70

अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को पंजाब के साहित्य के आलोक में सामाजिक जागरुकता पैदा करवाना।
2. विद्यार्थियों को पंजाब की समृद्ध गुरु-काव्य परम्परा से परिचित करवाना।
3. पंजाब से जुड़े हिन्दी भाषा के रचनाकारों से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी पंजाब की पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी पंजाब से जुड़े रचनाकारों की विभिन्न विधायों तथा उनके जीवन से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों की साहित्य में रुचि बढ़ेगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. गुरु तेगबहादुर की वाणी- (संपादक) गुरदेव कौर व जी.एस. आनंद, पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।
2. तमस (उपन्यास), भीष्म साहनी
3. आधे-अधूरे (नाटक) मोहन राकेश

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।
2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न में दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। 12X2=24

Saroj Rani

3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। 12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो (2) अंकों का होगा। 11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची -

1. पंजाब प्रांतीय हिन्दी साहित्य का इतिहास चन्द्रकान्त बाली
2. भीष्म साहनी : उपन्यास साहित्य विवेक द्विवेदी,
3. मोहन राकेश और उनके नाटक गिरीश रस्तोगी
4. गुरु तेग बहादुर : जीवन, दर्शन और विवेचन (संपादक), प्रेम प्रकाश सिंह, पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला।
5. गुरू तेग बहादुर : सन्दर्भ और विश्लेषण- सुखविन्दर कौर बाठ

Saroj Rani

पेपर चार (विकल्प तीन)

हिन्दी पत्रकारिता

(Paper Code - HINMA.1T-106)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 35% | लिखित परीक्षा : 70

अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को हिन्दी की तकनीकी भाषा से परिचित करवाना।
2. विद्यार्थियों को हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास व विविध रूपों से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में समाचार पत्र के महत्त्व व उसके दायित्व से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता में सम्पादन कला व सम्पादन कार्य को समझेंगे।
2. विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता को रोज़गार के संदर्भ में ज्ञान अर्जित करेंगे।
3. विद्यार्थी पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं से जुड़ेगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड क

1. पत्रकारिता : अवधारणा और स्वरूप और विविध रूप (क्षेत्र)
2. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास
3. पत्रकार के गुण / अपेक्षाएं

खण्ड ख

1. (क) सम्पादन कला : सम्पादक का दायित्व, सम्पादन के सिद्धान्त

   (ख) सम्पादन कार्य सामग्री चयन, अंक योजना

   (ग) सम्पादकीय लेखन : पत्रिका की भाषा
2. साहित्यिक पत्रकारिता
3. समाचार पत्र : स्वरूप, महत्त्व, दायित्व

Saroj Rani

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।

2. भाग-एक में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। 12X2=24

3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। 12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में सें 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो (2) अंकों का होगा। 11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची -

1. जन पत्रकारिता, जन संचार एवं जन सम्पर्क - सूर्यप्रसाद दीक्षित (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
2. मीडिया लेखन सिद्धांत और व्यवहार चन्द्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
3. पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम - सुशीला जोशी (राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर)
4. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत - कन्हैया अगनानी (राजस्थानी हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर)
5. हिन्दी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ - विनोद गोदरे (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
6. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार ठाकुर दत्त आलोक (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
7. चौथे स्तम्भ की चुनौतियां - हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला

Saroj Rani

स्नातकोत्तर - प्रथम

(सैमेस्टर – द्वितीय)

द्वितीय सैमेस्टर में विद्यार्थियों के कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा। चौथे पेपर में चार विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेगा।

पत्रों की रूपरेखा

स्नातकोत्तर – प्रथम (सैमेस्टर द्वितीय)
M.A. I (Semester II)
Session 2025-26, 2026-2027
Program Code: M.A. Part I

Paper Code	Name of the Paper	Internal	External	Total	Credits
HINMA.2T-201	हिन्दी काव्य – 2	30	70	100	4
HINMA.2T-202	भाषा विज्ञान	30	70	100	4
HINMA.2T-203	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	30	70	100	4
	वैकल्पिक अध्ययन	30	70	100	4
HINMA.2T-204	हिन्दी कथा सहित्य	30	70	100	4
HINMA.2T-205	पंजाब का हिन्दी साहित्य - 2	30	70	100	4
HINMA.2T-206	अनुवाद कला का सैद्धांतिक पक्ष	30	70	100	4

Saroj Rani

पेपर एक

हिन्दी काव्य - 2

(Paper Code - HINMA.2T-201)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 35%

लिखित परीक्षा : 70

अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को भक्तिकाल और रीतिकाल के प्रमुख कवियों के काव्य से परिचित करवाना।

2. विद्यार्थियों को भक्तिकाल और रीतिकाल के साहित्य से परिचित करवाना।

3. हिन्दी काव्य के प्रति रुचि उत्पन्न करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास के भक्तिकाल और रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों की जानकारी से ज्ञान में वृद्धि होगी।

2. हिन्दी काव्य और साहित्य के प्रति रुचि बढ़ेगी।

3. विद्यार्थियों का वौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. तुलसीदास – रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर

   (क) केवल सुन्दर काण्ड

2. सूरदास – सूरसागर सटीक, सं. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद

   (क) विनय तथा भक्ति पद – 1,2,21,22,24,25 (6 पद)

   (ख) गोकुल लीला पद – 7,10,12,18,20,23,26,33,45,60 (10 पद)

   (ग) उद्धव संदेश पद – 41,44,53,68,69,77,82,86,120 (9 पद)

3. बिहारी – बिहारी का नया मूल्यांकन, सं. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

   (क) दोहा संख्या 1 से 50

Saroj Rani

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।

2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न में दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। 12X2=24

3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो (2) अंकों का होगा। अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची-

1. तुलसीदास - डा. उदयभानु सिंह
2. सूरदास - डॉ. हरवंश लाल शर्मा
3. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पाण्डेय
4. महाकवि सूरदास - नंद दुलारे वाजपेयी
5. बिहारी की साहित्य साधना - डॉ. हरवंश लाल शर्मा
6. बिहारी वाग्विभूति - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. भक्तिकाव्य : प्रयोजन और प्रभाव -डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल'

Saroj Rani

पेपर दो

भाषा विज्ञान

(Paper Code - HINMA.2T-202)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 35% | लिखित परीक्षा : 70

अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को भाषा की उत्पत्ति के सिद्धांतों से परिचित करवाना।

2. विद्यार्थियों को ध्वनि-विज्ञान और अर्थ विज्ञान की जानकारी प्राप्त करवाना।

3. भाषाओं के वर्गीकरण की जानकारी प्राप्त करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. हिन्दी भाषा के विभिन्न रूपों और उसके शब्द भंडार का परिचय प्राप्त होगा।

2. विद्यार्थियों की भाषा के प्रति रुचि बढ़ेगी और बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

3. विद्यार्थी वाक्य विज्ञान को समझेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड – क

1. भाषा विज्ञान : सिद्धांत पक्ष- भाषा की उत्पति के सिद्धांत, भाषा की विशेषताएं और प्रवृत्तियां

2. भाषा का विकास, परिवर्तन और उसके कारण।

3. ध्वनि-विज्ञान : ध्वनियों का वर्गीकरण। ध्वनि-नियम, ग्रिम-नियम, ग्रासमेन-नियम, बर्नर-नियम ।

खण्ड - ख

1. अर्थविज्ञान : अर्थ-परिवर्तन, अर्थ-परिवर्तन की दिशाएं (प्रकार), अर्थ-परिवर्तन के कारण।

2. वाक्य विज्ञान : स्वरूप, प्रकार, परिवर्तन के कारण।

3. भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण - वर्गीकरण का आधार, भारोपीय परिवार - महत्त्व, शाखाएं, विशेषताएं।

Saroj Rani

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।

2. भाग-एक में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। 12X2=24

3. भाग-दो में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि एक प्रश्न के कम से कम दो उपभाग (क, ख) अवश्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। 12X2=24

4. भाग-तीन में पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। 11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी भाषा का इतिहास -धीरेन्द्र वर्मा
2. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान - बाबू राम सक्सेना
5. भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी - सुनीति कुमार चटर्जी
6. आधुनिक भाषा-विज्ञान- डॉ. राजमणि शर्मा

Saroj Rani

पेपर तीन

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(Paper Code - HINMA.2T-203)

समय : 3 घण्टे

पास प्रतिशत : 35%

पूर्णांक : 100

लिखित परीक्षा : 70

अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल के प्रमुख कवियों और उनकी प्रवृत्तियों का परिचय करवाना।
2. हिन्दी गद्य विधाओं से परिचित करवाना।
3. हिन्दी आलोचना के उद्भव और विकास का परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थियों को गद्य विधा के रूप में कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास की नवीन विधाओं के विकास की जानकारी तथा उनकी प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त होगा।
3. सन् 1857 की राष्ट्रीय क्रांति को समझेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड - क

1.आधुनिक काल का उद्भव और विकास, , 1857 की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग, प्रगतिवादी युग, प्रयोगवाद युग, नई कविता, समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक) की प्रमुख विशेषताएं,

खण्ड - ख

2.हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास – हिन्दी उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, आलोचना का उद्भव और विकास

Saroj Rani

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।

2. भाग-एक में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। 12X2=24

3. भाग-दो में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि एक प्रश्न के कम से कम दो उपभाग (क, ख) अवश्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। 12X2=24

4. भाग-तीन में पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। 11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) - (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास - डॉ. श्रीकृष्ण लाल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. रामसजन पाण्डेय
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ लालचन्द गुप्त 'मंगल'

Saroj Rani

पेपर चार (विकल्प एक)
हिन्दी कथा साहित्य
(Paper Code - HINMA.2T-204)

समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35%

पूर्णांक : 100
लिखित परीक्षा : 70
अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30
पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों की हिन्दी उपन्यास और कहानी के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. गद्य विधा उपन्यास, कहानी का परिचय प्राप्त करवाना।
3. हिन्दी के प्रमुख साहित्यकारों का परिचय प्राप्त करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थियों की हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ेगी।
2. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान विकसित होगा।
3. ग्रामीण जीवन की समस्याओं से परिचित होंगे।
4. सामाजिक कुरीतियों से अवगत करवाना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. गोदान - मुशीं प्रेमचन्द
2. मानस का हंस – अमृतलाल नागर
3. मेरी प्रिय कहानियां – मन्नू भंडारी, राजपाल एडं संज, दिल्ली।

कौशल्या
Singh Saroj Rani

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।

2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न में दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। 12X2=24

3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। 12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो (2) अंकों का होगा।

अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची-

1.मधुरेश, हिन्दी कहानी का विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2.हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास, सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

3.हिन्दी कहानी पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान (संपा.) लिपि प्रकाशन, दिल्ली।

4.कहानीः स्वरुप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

5.नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली।

6.कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

7.नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।

8.समकालीन कहानी की पहचान, नरेन्द्र मोहन, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली।

9.आज का हिन्दी उपन्यास, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

10.हिन्दी उपन्यासः एक अन्तर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

11.आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास, अतुलवीर अरोड़ा पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाब यूनिवर्सिटी,चंडीगढ़।

Saroj Rani

पेपर चार (विकल्प दो)

पंजाब का हिन्दी साहित्य - 2

(Paper Code - HINMA.2T-205)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 35% | लिखित परीक्षा : 70

अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को पौराणिक परम्परा से परिचित करवाना।
2. निबंध विधा के स्वरूप से अवगत करवाना।
3. 'जिंदगी नामा' उपन्यास के माध्यम से वृद्ध जीवन की समस्याओं से अवगत करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. बचित्र नाटक के माध्यम से सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझेंगे।
2. गद्य विधा निबंध के स्वरूप का परिचय प्राप्त होगा।
3. वृद्ध जीवन की समस्याओं से परिचित होंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. बचित्र नाटक (केवल पहले छह अध्याय) शिरोमणि गु.प्र.कमेटी, अमृतसर ।
2. अध्यापक पूर्ण सिंह के निबंध (सच्ची वीरता, कन्यादान, पवित्रता, आचरण की सभ्यता, मजदूरी और प्रेम, अमेरिका का मस्त जोगी वाल्ट ह्विटमैन)
3. जिंदगी नामा (उपन्यास) कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।
2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न में दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। 12X2=24

Saroj Rani

3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। 12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो (2) अंकों का होगा। अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची -

1. गुरु गोबिन्द सिंह और उनकी कविता - महीप सिंह
2. गुरु गोबिन्द सिंह समाज और सौन्दर्य - वीणा अग्रवाल
3. दशम गुरु: जीवन-दर्शन - हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला.
4. अध्यापक पूर्ण सिंह – रामचन्द्र तिवारी, सहित्य अकादमी, दिल्ली
4. एक नज़र कृष्णा सोबती पर - डॉ रोहिणी
5. कृष्णा सोबती : लेखन और नारीवाद - डॉ. रेखा सेठी

Saroj Rani

पेपर चार (विकल्प)

अनुवाद कला का सैद्धांतिक पक्ष

(Paper Code - HINMA.2T-206)

समय : 3 घण्टे
पास प्रतिशत : 35%

पूर्णांक : 100
लिखित परीक्षा : 70
अंक आंतरिक मूल्यांकन : 30
पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को अनुवाद के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत करवाना।
2. विद्यार्थियों को पारिभाषिक शब्दावली से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों को अनुवाद की समस्याओं से अवगत करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी अनुवाद के महत्त्व को समझेंगे।
2. पारिभाषिक शब्दावली के व्यवहारिक प्रयोग को समझेंगे।
3. पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता और महत्त्व को समझेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड क

1. अनुवाद परिभाषा, प्रक्रिया, महत्त्व
2. अनुवाद में समतुल्यता का सिद्धांत
3. अनुवादक के गुण, द्विभाषियों की भूमिका

खण्ड ख

1. अनुवाद के, प्रकार : प्रकृति के आधार पर
2. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, विविध प्रकार, आवश्यकता एवं महत्त्व
3. साहित्यानुवाद : कथानुवाद, नाट्यानुवाद तथा काव्यानुवाद / समस्याएं।
4. मशीनी अनुवाद : प्रकार और पद्धति

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।

2. भाग-एक में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। 12X2=24

3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। 12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो (2) अंकों का होगा। अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची -

1. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग जी. गोपीनाथन (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार जयंतीप्रसाद नौटियाल (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
3. अनुवाद : संवेदना और सरोकार - सुरेश सिंहल (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
4. हिन्दी अनुवाद : समस्या और समाधान जितेन्द्र दास (निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली)
5. अनुवाद : अवधारणा और आयाम सुरेश सिंहल (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
6 . हिन्दी अनुवाद विमर्श (दो भाग) - अवधेश कुमार सिंह

कौशल
Saroj Rani